

TERRIFY

TERRIFY : भोषयते (c. of भी) : v. To frighten.
TERRITORIAL : expr. by comp., t. boundaries :
देशसीमा, R. xvi. 1.

TERRITORY : (1) राष्ट्रम् : v. Kingdom ; (2)
देशः, प्र- : Country, province.

TERROR : I. Great fear : q.v. : त्रासः, सं-, परि-
II. Object of dread : त्रासकर (f. री) and
sim. comp.s, a t. even to the sages : त्रासजनन-
मपि तत्त्वविदाम्, Ki. xii. 6.

TERSE : (1) लघु (f. also ध्वो), Si. ii. 23. ; (2)
लाघवान्वितः (ता, तं), Ki. xi. 38. ; (3) संक्षिप्त
(f. सा=brief, concise : q.v.), Si. ii. 24.

TERSELY : expr. by adj.

TERSENESS : लाघवम् : v. Terse.

TERTIAN : तृतीयकः, -ज्वरः.

TESSELATED : विचित्र (f. त्रा : ?).

TEST : I. Verb. : परीक्षते (ईच्, c. 1.) : v.
To examine. II. Subs. : परीक्षा : v. Exa-
mination. III. Means of trial : (1) प्रमाणम्,
you are the only t. : यूयमेव प्रमाणम्, Sa. v. 25. ;
(2) by circumlo.

TESTAMENT : I. A will : *इच्छापत्रम्. II. Of
the Bible : संहिता, old : प्राचीनसंहिता.

TESTAMENTARY : *इच्छापत्रविहित (f. ता) and
sim. comp.s.

TESTATOR, TESTATRIX : *इच्छापत्रकारिन् (f. णी)
and sim. comp.s

TESTICLE : अण्डम्, -कोषः(शः) ; (2) मुष्कः ; (3) वृषणः,
t.s. : वृषणौ.

TESTIFY : I. As a witness : साक्ष्यं ददाति (दा,
c. 3.). II. In gen. : ब्रवीति or ब्रूते (ब्रू, c. 2.).
if one t.ies falsely : अथ चेदनृतं ब्रूयात्, Mit. : v.
To tell, speak.

TESTIMONIAL : *प्रशंसापत्रम्, and sim. comp.s.

TESTIMONY साक्ष्यम्, a witness giving false t. : साक्षी
साक्ष्यं मृषा ब्रुवन्, Mit. : v. Also evidence.

TETANUS : धनुषट्कारः.

TETHER : I. Verb : बध्नाति (बन्धू, c. 9.). II.
Subs. : बन्धनरज्जुः.

TETRAD : (1) चतुष्टयम् ; (2) चतुष्कम्.

TETRARCH : मण्डलेशः (?) : v. Chief.

TETTER : ददुर्विशेषः.

TEXT : I. Original writing : मूलम्, I shall not

write any thing outside the t. : नामूलं लिख्यते किञ्चित्,
M. n. II. Of scripture : (1) वचनम् ; (2)
श्रुत् (f. of the Rigveda).

TEXTILE : (1) तान्त्व (f. वी) ; (2) तन्तुनिर्मित (f.
ता), etc.

TEXTUAL : (1) by comp. ; (2) मूलपेक्ष (f.
क्षा) and sim. comp.s.

TEXTURE : I. Lit. : तान्त्वम्. II. Quality of
threads : गुणः. III. Arrangement : विन्यासः.

THAN : (1) by abl., the people of Mathurā are
richer t. the people of Pātnā : माथुराः पाटलीपुत्रेभ्य
आढ्यतराः, S. k. ; swifter t. the mind : मनसोऽप्या-
शुतरम्, Ki. xiii. 22. ; and the king who gave
more t. was asked for : नृपोऽर्थिकामादधिकप्रदश्च, R.
v. 31. ; dearer to you t. I. : मत्तः प्रियतरस्त्व, K. ;

(2) sometimes by comp., more t. twenty
times : अधिकविशान् वारान्, Au. : v. Also more.
N.B. In old books the ins. is often used for
the abl. : कोऽन्वस्ति दुःखिततरो मया दुष्कृतकर्मणा,
Ram. ii. 59. 30.

THANK : धन्यवादं करोति (?).

THANKFUL : (1) कृतज्ञ (f. ज्ञा) ; (2) कृतवेदिन्
(f. नी) ; etc.

THANKFULLY : (1) धन्यवादपुरःसरम्, and sim.
comp.s (?).

THANKFULNESS : (1) धन्यवादः or धन्यवादिता (?) :
v. Gratitude.

THANKLESS : I. Of men : अकृतज्ञ (f. ज्ञा) : v.
Ungrateful. II. Of work. etc. : यः (या,
यत्) न प्रशस्यते : v. To praise.

THANKLESSLY : expr. by circumlo.

THANKS : धन्यवादः (?), thanksgiving : perh.
स्तुतिपाठः.

THAT : I. Demonstrative pronoun : तद्, t.
object : सोऽर्थः, D. iii. ; in t. season : तस्मिन्
समये, R. xvi. 53. ; narrated all t. : तत्सर्वमाचख्यौ,
Mah. : v. Also this. Ph. : (a) t. is to say
..... : इत्यर्थः, तस्य यूनोऽपि विषयवैराग्यादियुगसम्पत्त्या
ज्ञानतो वृद्धत्वमासीदित्यर्थः, M.n. (N.B. Use..... :
इति यावत्, when a full explanation is not
given, मनीषिणो विदुषो दोषज्ञस्यैति यावत्, M. p.) ;
(b) t. is not expr., by object t. is by sound
etc. M.n. II. Relative pronoun=who,